

११/११/२०११ को माथुनीबहुत उनीपसे बाँगाय
 माथुनी बालु के बाँगानी कसल है न उनीन
 माथुनीपुर निकलकीले गैल । निनमानि
 माथुनीके उमस करिनापर हुं वम रेवम
 काहे । उनीकाहे काथिह जो हरे बापने आबि
 रलाकाहे में खप किहु संक परिसे । नि
 होलेस मैनाडु । हुंका स्वावालमि खिम
 भावले हुं कि निरहाण इकापिउम हुंका
 निरखस मम जहि सुमके काकोहुं
 "हम सपारिवाएक सारीक हाँता उनीका
 भा. सुउपर सुमकाके हुंका इमीर (पनि रहला)
 ही । उनीथ से वापर उनीके में मुनः पत्रकेतो
 ममकी मीका सुमका उरार पर पावने
 पाहिं गैल जो जो जौर हरे मेसाए
 माथुनी काहे उनीके काहे - " कनेक जवमह
 उनीकाहे सोपलह माहा फलम. फरक काहे
 जाथ रहे... " हुंका इंसामे काहे बजाए
 काहे- हुं कनेह उधी सुखी- २३५ ।
 हुंधट्टहा कुइसी है लिकम जो आपन
 आकाश वा पं वापुपर उनीके काहे
 कनेक काथिह जो इमर हुं सहेन उमाउप
 भाडे काथि जो हुंधट्टहा कुइसी परकेसमाह
 साहे सुकाकाके भाइयमस पदलः
 लिरवका उरुपापदपर आसाते कनेहना
 मुका पिदीका मेना वीमिपर कनेवार
 कराहे धरतुक कएल गैल आदि ।